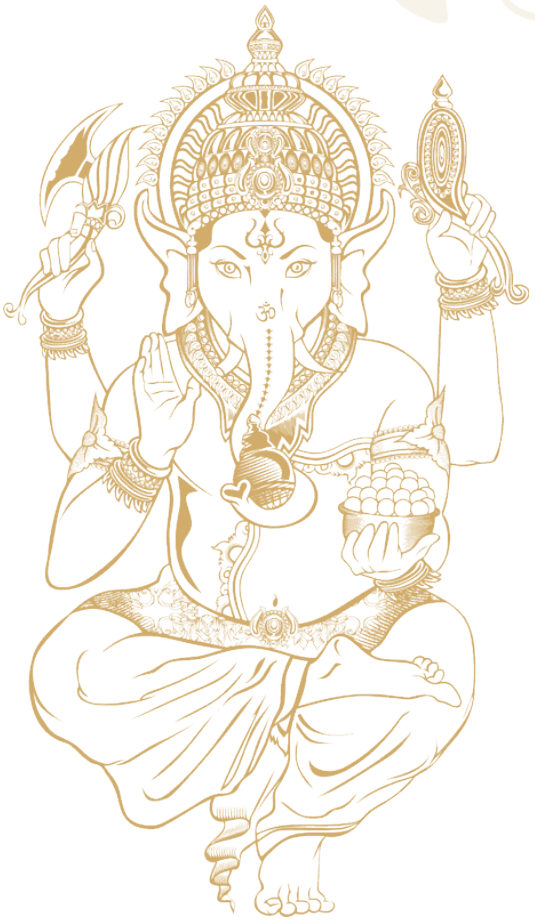

Vipul Totuka

Riya jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121109803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/01/1999	जन्म तिथि	08/10/1998
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:19:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 30:10:33	जन्म समय(घटी)	02:11:14 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Chaksu
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:36:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	76:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:46	सूर्योदय	06:21:42
18:04:09	सूर्यास्त	18:05:16
23:50:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 5मा 17दि	00:18:26	सिंह	लग्न	तुला	01:46:00	शुक्र 6वर्ष 3मा 13दि
राहु	13:19:45	मक	सूर्य	कन्या	20:44:40	मंगल
15/07/2008	20:02:55	वृष	चंद्र	मेष	22:28:31	20/01/2021
15/07/2026	06:35:42	तुला	मंगल	सिंह	06:30:05	21/01/2028
राहु 28/03/2011	08:06:07	मक	बुध	कन्या	29:41:11	मंगल 18/06/2021
गुरु 21/08/2013	02:43:06	मीन	गुरु व	कुंभ	26:28:15	राहु 07/07/2022
शनि 27/06/2016	04:47:03	कुंभ	शुक्र	कन्या	15:01:44	गुरु 13/06/2023
बुध 14/01/2019	03:41:26	मेष	शनि व	मेष	07:33:00	शनि 22/07/2024
केतु 02/02/2020	28:21:33	कर्क व	राहु व	सिंह	06:46:53	बुध 19/07/2025
शुक्र 01/02/2023	28:21:33	मक व	केतु व	कुंभ	06:46:53	केतु 15/12/2025
सूर्य 27/12/2023	18:35:56	मक	हर्ष व	मक	15:01:17	शुक्र 14/02/2027
चन्द्र 27/06/2025	08:12:44	मक	नेप व	मक	05:33:02	सूर्य 22/06/2027
मंगल 15/07/2026	16:04:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:12:42	चन्द्र 21/01/2028

लग्न-चलित

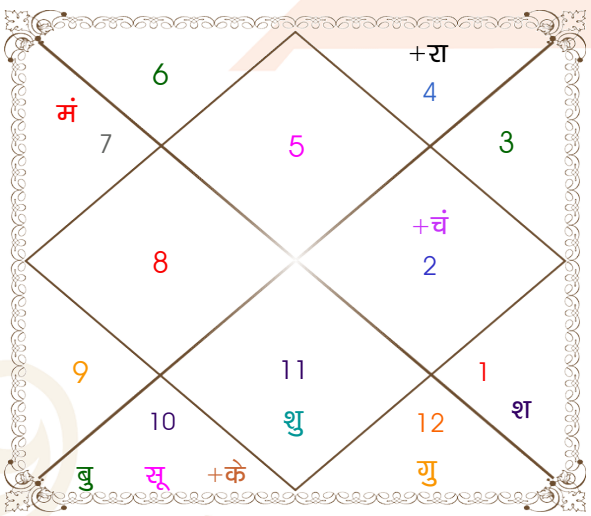

लग्न-चलित

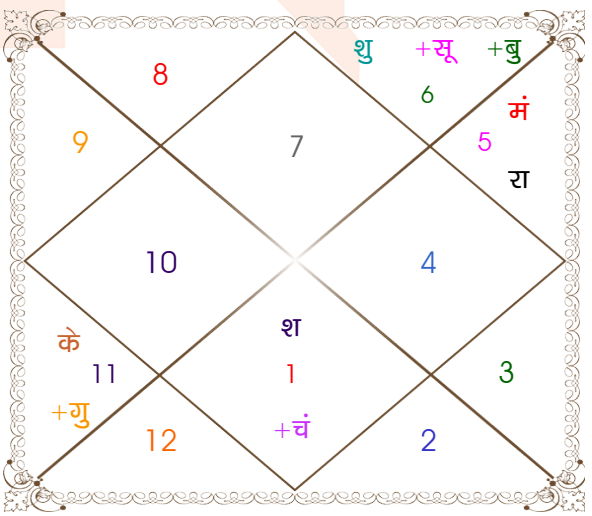

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

टपचनस ज्वजनां का वर्ग मृग है तथा त्पलं रंपद का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपचनस ज्वजनां और त्पलं रंपद का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

टपचनस ज्वजनां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्पलं रंपद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

टपचनस ज्वजनां तथा त्पलं रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।